प्रदेश में भी शिक्षा, स्वास्थ्य, इंडस्ट्री का बनेगा इंडेक्स

सीएम बोले- पता चलेगी हर जिले की स्थिति, दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने के प्रयासों की समीक्षा

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश में पहली बार शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवारों की आर्थिक स्थिति व इंडस्ट्री का प्रादेशिक इंडेक्स तैयार किया जाएगा। इससे पता चल सकेगा कि किस जिले की क्या स्थिति है और कहां क्या जरूरत है। फार्मा इंडस्ट्री को प्रोत्साहित करने के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों, रिसर्च लैब और इंडस्ट्री के लिए फार्मास्युटिकल रिसर्च एंड इनोवेशन इंस्टीट्यूट की स्थापना की जाएगी। यह संस्थान फार्मा सेक्टर से संबंधित अन्य संस्थानों व इंडस्ट्री के बीच समन्वय का भी काम करेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस पर तत्काल काम शुरू करने के निर्देश दिए। वह प्रदेश को दस खरब डालर की अर्थव्यवस्था बनाने की दिशा में जारी प्रयासों, अब तक के परिणामों और भविष्य की नीति की समीक्षा सोमवार को कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि साढ़े छह साल की मेहनत के बाद यूपी की अर्थव्यवस्था आज सर्वश्रेष्ठ स्थिति में है। अर्थव्यवस्था में राष्ट्रीय वृद्धि दर 9.1 फीसदी रही जबकि प्रदेश में 9.8 फीसदी रही। सीएम ने कहा कि 2023-24 में प्रदेश की जीडीपी 25.55 लाख करोड़ से ज्यादा होगी। 2027 तक दस खरब डालर का लक्ष्य पूरा करने के लिए सभी विभागों को पहले से बेहतर प्लानिंग करनी होंगी। उन्होंने कहा कि सही योजना के लिए सही आंकड़े होने चाहिए। इसलिए सटीक आकलन के लिए सांख्यिकीय अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया जाए। डिजिटल क्रॉप सर्वे जैसे प्रयासों को सभी जिलों में प्रभावी ढंग से लागू करने के निर्देश दिए। >> विदेश में की जाएगी यूपी की ब्रांडिंग : पेज 2

बीमार इकाइयां चिह्नित होंगी

सीएम ने कहा कि 40 लाख करोड़ के निवेश प्रस्ताव में से 11.8 लाख करोड़ के प्रस्ताव केवल मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर के लिए हैं। दस स्थानों पर प्लेज पार्क बन रहे हैं। उन्होंने लैंड बैंक विस्तार तेज करने के लिए बीमार इकाइयों को चिह्नित करने के निर्देश दिए।